विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 9-15 जनवरी 2025 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 28 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

ज़ीवन को हम इस तरह फूलों जैसे बनाएं कि तोड़ने वाले के हाथों को भी खुशबू सदा याद रहे. खुद के साथ ही उनके लिए भी जीने का प्रयास करें, जिन्हें आपके छोटे से मदद की जरूरत है. यह दोनों के लिए निश्चित तौर पर यादगार रहेगी. अच्छा सोचें और करें फिर देखें सब अच्छा होगा.

पेज नंबर 2

दिल और दिलदारी तो होती है इस देश के महान किसानों में

पेज नं.2

ईमानदार अधिकारियों के लिए काम करना हो रहा है मुश्किल, कैसे होगा शहर विकास

पेज नं.6

राजस्थानी समाज की प्रतिभाओं का सम्मान

पेज नं. 8

संत गाड़गेबाबा समाजसुधारक संत, प्रमोद पोकले के भजनों से झूमे असंख्य भक्त

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

क्रिटिकल मिनरल्स में भारत देगा चीन को चुनौती

एनएसए अजीत डोभाल और अमेरिकी एनएसए जैक सुलीवान की अगुवाई में हुई बैठक में

विदर्भ स्वाभिमान, 8 जनवरी

नई दिल्ली-पिछले साल पीएम नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच क्रिटिकल मिनरल्स (बहुमूल्य धातुओं) के क्षेत्र में चीन के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए आपसी सहयोग की जो सहमति बनी थी उसका भावी रोडमैप तैयार हो गया है.

एक दिन पहले भारतीय एनएसए अजीत डोभाल और अमेरिकी एनएसए जैक सुलीवान की अगवाई में हुई बैठक में तय किया गया है. इसके दो वर्गों में अलग अलग धातुओं में आपसी निर्भरता बढ़ाने के लिए सहयोग स्थापित किया जाएगा.पहले चरण में ग्रेफाइट, गैलियम और ग्रार्मेनियम का सप्लाई चेन बनाने का इंतजाम होगा और दूसरे वर्ग में लिथियम, टाइटेनियम, गैलियम के प्रोसेसिंग की सुविधा विकसित की जाएगी ताकि दोनों देशों की कंपनियों को इनकी आपूर्ति हो सके.उक्त बहुमूल्य धातुओं का बेहद उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों में इस्तेमाल किया जाता है. जैसे ग्रेफाइट, गैलियम, लिथियम का इस्तेमाल सेमीकंडक्टर, मेमोरी सेल्स, मोबाइल फोन्स, लैपटॉप, ग्रिड स्टोरेज, इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल किया जाता है.अब दोनों देशों की शोध संस्थानों व कारपोरेट सेक्टर के बीच सहयोग का रास्ता खुल गया है.बहुमूल्य धातुओं के क्षेत्र में भारत व अमेरिका की एक समान समस्याएं हैं. अधिकांश बहुमूल्य धातुओं के खान, प्रोसेसिंग और आपूर्ति पर चीन का दबदबा है.इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाले बैट्री निर्माण के लिए जरूरी लिथियम का खान चीन के पास 7 फीसद ही हैं लेकिन दुनिया के 60 फीसद लीथियम बाजार पर उसका कब्जा है.दुनिया में 75 फीसद बैट्रियां चीन बना रहा है. इस वजह से भारत के दोपहिया वाहनो व तीनपहिया वाहनों में जो बैट्रियां लग हई हैं उनमें से 90 फीसद चीन से आयातित हैं. भारत व अमेरिका का सहयोग काम आएगा.

सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना देंगे-रमेश विधूड़ी

दिल्ली: पूर्व सांसद और कालकाजी विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी ने एक के बाद एक दो विवादित बयान दिए हैं. पहले उन्होंने कहा कि वह कालकाजी क्षेत्र की सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना देंगे, इस पर विवाद थमा भी नहीं था कि उन्होंने मुख्यमंत्री आतिशी को लेकर आपत्तिजनक बयान दे डाला. कहा कि आतिशी मार्लेना तो अब सिंह बन गई हैं.

इसके साथ ही उन्होंने सीएम पर उनके पिता को लेकर भी अमर्यादित टिप्पणी की, जिस पर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल व कांग्रेस नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई है. केजरीवाल ने कहा कि भाजपा नेताओं ने बेशर्मी की सारी हदें पार कर दी हैं. भाजपा

श्री वेंकटाचल की महिमा

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा हर अंक में पेज 4 पर विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तों को भक्तिमय प्रस्तुत है. आप भी इसका पठन कर अपना जीवन धन्य कर सकते हैं. कुछ गलती हो तो क्षमा करिएगा.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

दिल और दिलदारी दोनों ही रहती है किसानों में ही

देश का किसान दिल और दिलदारी दोनों ही किसान रखता है. यही कारण है कि उसके जैसे व्यक्ति मिलना मुश्किल है, जो बार-बार चोट खाने के बाद भी लोगों के जीवन को पालने और अन्न के माध्यम से उन्हें जिंदा रखने का महान कार्य करता है.लेकिन दुःख तब होता है जब इस देश में सबसे मेहनती, सबका ख्याल रखने वाले और दरियादिल रखने वाला किसान उपेक्षित रहता है. विगत दिनों शिराळा गांव में जाने और किसान को करीब से देखने का मौका मिला, आखिर सवाल यही मन में आता है कि परमात्मा इन किसानों को इतना बड़ा दिल कहां से देता है. आत्मीयता के साथ ही उनका प्रेम सभी के लिए यादगार रहता है. मेरी बेटी वंशिका की सहेली संस्कृति लाडे के पिता कैलाशभाऊ और उनकी मां के साथ ही पूरे परिवार से आदरातिथ्य कैसे किया जाता है, यह बेहतरीन तरीके से सीखने का मौका मिला. किसानों के जैसा सुंदर दिल मुझे लगता है शायद ही किसी के पास हो, जो स्वयं भूखा रहने के बाद भी विश्व के किसी व्यक्ति को भूखा नहीं रहने देने की चाहत रखता है. देश का किसान सभी का पेट भरता है, उसकी मेहनत से पूरा देश भोजन पाता है लेकिन दुर्भाग्य तब लगता है जब कर्जबाजारी और अन्य विभिन्न समस्याओं से त्रस्त होकर वह आत्महत्या करने के लिए विवश होता है. सरकार द्वारा आजादी के बाद से गरीबी हटाओं का नारा लगातार दिया जा रहा है लेकिन आज भी जहां चकाचौंध है, वहीं दूसरी ओर हजारों गांवों में आज भी बिजली नहीं पहुंच पायी है. कहने का तात्पर्य है कि महात्मा गांधी ने असली भारत गांवों में रहने की बात कही थी लेकिन आज अगर देश का अन्नदाता ही परेशान है तो निश्चित तौर पर हमारी यंत्रणा में कहीं न कहीं कमी जरूर है, इससे कोई भी इंकार नहीं कर सकता है. पिछले कुछ वर्षों से अमरावती जिले में भी किसानों की आत्महत्याएं बढी हैं. मौसम के साथ ही यंत्रणा द्वारा छले जाने के बाद भी किसान कभी हिम्मत नहीं हारता है. वह परेशानी के बाद भी न तो हाड़तोड़ मेहनत करना भूलता है और न ही कभी पीछे मुड़कर ही देखता है. सरकार को चाहिए कि किसानों के लिए कुछ ऐसी व्यवस्था करे कि उन्हें राहत मिल सके. जिले में बुआई निर्धारित से अधिक हो चुकी है. लेकिन मौसम की मार के कारण कब कैसी स्थिति पैदा हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं है. यह कार्यक्रम मेरे लिए नया नहीं था लेकिन जिस तरह का आदर्श आदरातिथ्य लादे परिवार द्वारा दिया गया, उससे हम यहां से गए सभी अभिभूत हो गए. कुल मिलाकर किसानों की समस्याएं कितनी भी बड़ी क्यों नहीं रहें लेकिन उनका दिलदारपन सराहनीय रहता है.

इमानदार अधिकारियों की बढ़ती मुश्किलें

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

अमरावती महापालिका की सक्रियता तथा निष्क्रियता जहां समाचार पत्रों के लिए खाद्य देने का कारण बन रही है, वहीं पिछले कुछ वर्षों के दौरान मनपा में जिस तरह से ईमानदार अधिकारियों के लिए दिक्कतें पैदा हो रही हैं, उसके चलते आगामी समय में अकोला के जैसे यहां अच्छे अधिकारी से कच खाएं तो कोई नई बात नहीं है. भ्रष्टाचार ने पूरी मनपा को निगलने का संकल्प तो नहीं ले लिया है, ऐसी स्थिति पैदा हो रही है. माधुरी मडावी जैसी दबंग उपायुक्त यहां आई तो काम करना मुश्किल हो गया. आज आईएएस स्तर केमनपा आयुक्त सचिन कलंत्रे की नॉन करप्ट और सज्जन अधिकारी की प्रतिमा है लेकिन यहां कौन कब किस तरह से परेशान करेगा, यह समझकर काम करने का वह उत्साह नहीं आ पा रहा है, जो आना चाहिए. अहंकार नेताओं की तरह मनपा अधिकारियों में भी काफी बढ़ा दिखाई दे रहा है. नेताओं के अहंकार से जिले के विकास का सत्यानाश हो रहा है. सांसद बलवंतराव वानखडे सज्जन नेता हैं लेकिन काम करते समय आने वाली दिक्कतें किसे कहें,वैसे ही मनपा आयुक्त अच्छे व्यक्ति हैं लेकिन काम करने के लिए जिस तरह का माहौल चाहिए नहीं मिल पा रहा है. करोड़ों रूपए का भुगतान सफाई ठेके को हो रहा है लेकिन गंदगी सर्वत्र दिखाई दे रही है. आखिर यह स्थिति क्यों पैदा हुई है, यह सोच का विषय है. शहर में करोड़ों रूपए खर्च होने के बाद भी सफाई को लेकर जो स्थिति है, वह निश्चित ही चिंतनीय है. इसके साथ ही शहर में अधिकांश ठेके किसके पास हैं और इनके संरक्षक की भूमिका कौन निभा रहा है, यह सभी जानते हैं. पूर्व डैशिंग उपायुक्त माधुरी मडावी जैसे दबंग अधिकारी का काम करना मुश्किल हो गया था. लोगों की समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर शहर को भगवान भरोसे क्यों छोड़ा जा रहा है. यहां पर ईमानदार अधिकारी का काम करना मुश्किल हो गया है. ऐसे में शहर के विकास का सत्यानाश तो हो ही रहा है लेकिन अकोला मनपा के जैसे यहां भी अच्छे अधिकारी आने से कतरा रहे हैं. आखिर ऐसी स्थिति क्यों आ रही है, इसकी गहन जांच किया जाना जरूरी है. अमरावती मनपा के शहर अभियंता ईश्वरानंद पनपालिया द्वारा सेवानिवृत्ति के चार माह पहले ही स्वेच्छा निवृत्ति पर जाने की अर्जी देने के चलते मनपा में फिलहाल अधिकारियों में खामोशी छाई है. मनपा के लोकनिर्माण विभाग में ठेका पध्दति पर कार्यरत ऑपरेटर बुरंगे को निविदा घोषित करने के काम से हटाने को लेकर राजनीतिक दबाव में अभियंता पनपालिया द्वारा स्वेच्छा निवृत्ति का निर्णय लेने की बात कही जा रही है, लेकिन बुरंगे को ऑपरेटर पद से हटाना यह सामान्य बात है. मनपा अधिकारियों की कनिष्ठ, वरिष्ठ श्रेणी को लेकर इससे पूर्व हुए दो विवादों के तरह ही पनपालिया स्वेच्छा निवृत्ति के निर्णय की ओर देखा जा रहा है. मनपा ने इससे पहले वरिष्ठ व कनिष्ठ श्रेणी को लेकर उपायुक्त माधुरी मडावी व मेघना वासनकर के साथ भी यही हुआ था. मनपा में निगमायुक्त पद यह एस-25 श्रेणी का है. वहीं शहर अभियंता ईश्वरानंद पनपालिया का पद एस-24 श्रेणी का था. मनपा उपायुक्त नरेंद्र वानखडे के पास लोकनिर्माण विभाग उनकी श्रेणी एस-20 की है. इसी तरह अतिरिक्त आयुक्त महेश देशमुख के पास भी लोकनिर्माण विभाग है. उनकी श्रेणी एस-23 है.

अमरावती मनपा में नगर विकास विभाग की ओर से उपायुक्त पद पर भेजी गई माधुरी मडावी और मेघना वासनकर की श्रेणी एस-20 की थी. मडावी ने अपने कार्यकाल में तत्कालीन शहर अभियंता इकबाल खान को किसी मुद्दे की फाईल लेकर अपनी कैबिन में आने के लिए कहा था. लेकिन उन्होंने मीटिंग में बिजी रहने का कारण बताकर उनके कैबिन में जाना टाल दिया. अच्छे अधिकारी भी भाग्य से मिलते हैं, उन्हें अगर जनप्रतिनिधियों का साथ मिले तो शहर तथा क्षेत्र का चेहरा मोहरा बदल देते हैं. लेकिन यहां अहंकार की लड़ाई में हार तो अमरावतीवासियों की ही हो रही है. इस पर शहरवासियों को चिंतन करना चाहिए.

भाजपा नेता के बिगड़े बोल, सर्वत्र निंदा

पेज 1 से जारी- के नेता मुख्यमंत्री आतिशी को गंदी-गंदी गालियां दे रहे हैं. एक महिला मुख्यमंत्री का अपमान जनता सहन नहीं करेगी. महिलाएं इसका बदला लेंगी.कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा पर दिया बिधूड़ी का बयान इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुआ. यह वीडियो बिधूड़ी की एक जनसभा का है जिसमें वह कहते दिख रहे हैं कि लालू यादव ने वादा किया था बिहार की सड़कों को हेमा मालिनी के गालों जैसा बना दूंगा. लेकिन, वे ऐसा कर नहीं पाए. मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि जैसे ओखला और संगम विहार की सड़कें बना दी हैं, वैसे ही कालकाजी में सारी की सारी सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना दूंगा.उनके इस बयान पर कालकाजी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा ने कड़ा विरोध जताया. विवाद बढ़ता देखकर बिधूड़ी ने बाद में सफाई भी दी और खेद भी प्रकट किया. हालांकि, इसके बाद उन्होंने एक और आपत्तिजनक बयान दे डाला. इस बार उनके निशाने पर मुख्यमंत्री रहीं.उन्होंने रविवार को भाजपा की परिवर्तन रैली में कहा, अरविंद केजरीवाल ने बच्चों की कसम खाई थी कि वह भ्रष्टाचारी कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेंगे. आतिशी मार्लेना तो अब सिंह बन गई. इसके बाद वह सीएम के पिता को लेकर भी आपत्तिजनक बात कह गए.

आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा, भाजपा के पास दिखाने के लिए कोई काम नहीं है, इसलिए इन लोगों ने फिर गाली गलौज का सहारा लिया. सोचिए अगर एक महिला मुख्यमंत्री के खिलाफ भाजपा का एक नेता इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर सकता है तो अगर वह गलती से विधायक बन गया तो एक आम महिला के प्रति उसका क्या व्यवहार होगा. उसकी क्या भाषा होगी और क्या रवैया होगा? प्रियंका पर टिप्पणी को लेकर आतिशी ने कहा कि भाजपा महिला विरोधी पार्टी है और दिल्ली के चुनाव में जनता उसे करारा जवाब देगी. बिधूड़ी की टिप्पणी दिखाती है कि भाजपा की महिलाओं के प्रति क्या मानसिकता है. दिल्ली की जनता और महिलाएं आने वाले चुनाव में भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देंगे. आप नेता संजय म्सह ने अजय माकन और संदीप दीक्षित की चुप्पी पर हैरानी जताई. कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को चुप्पी तोड़कर अपनी नेता का बचाव करना चाहिए.

भाजपा का शीर्ष नेतृत्व मांगे माफी : सुप्रिया

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि बिधूड़ी ही नहीं, बल्कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को भी हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए. यह न केवल प्रियंका गांधी का बल्कि सभी महिलाओं का अपमान है. दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि बिधूड़ी ने प्रियंका के संदर्भ में जिस अभद्र भाषा का प्रयोग किया है, वह घोर निंदनीय है. यादव व दिल्ली कांग्रेस प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने कहा कि बिधूड़ी का वक्तव्य समूची भाजपा की महिलाओं के प्रति निकृष्ट सोच का परिचायक है. उनका बयान समूची नारी जाति का अपमान है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189 .अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

विदर्भ स्वाभिमान का विशेषांक विमोचित, मान्यवरों का सत्कार

अमरावती- शहर ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर के वक्ता, उच्च विद्याविभूषित शिक्षा शास्त्री, पोदार इंटरनेशल स्कूल, कठोरा नाका अमरावती के प्राचार्य हम सभी के चहेते प्राचार्य सुधीर महाजन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान द्वारा प्रकाशित विशेषांक का विमोचन विद्यालय में किया गया. इस समय की विभिन्न झलकियां. विद्यालय द्वारा भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय ट्रस्टी सुदर्शन गांग, संपादक सुभाष दुबे, प्रदीप जैन, एक दिन पहले ही जन्मदिन रहने वाले डॉ. अजय बोंडे, सीईओ पुखराज राजपुरोहित, विदर्भ स्वाभिमान के डिजाइनर संजय भोपाळे, प्राचार्य संजय शिरभाते सहित अन्य मान्यवरों का सत्कार किया गया. मौके पर सुदर्शन गांगजी के साथ ही प्राचार्य सुधीर महाजन, प्रा.डॉ. अजय बों डे के मार्गदर्शन ने बच्चों को जहां प्रभावित किया, वहीं डेढ़ घंटे चला पारिवारिक और आत्मीय कार्यक्रम सभी के लिए यादगार साबित हुआ.

विलक्षण शक्ती प्रदान करते हैं भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-1, समर्पित भक्तिभाव देता है अपार खुशी और समृद्धि

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. प्रथम किश्त यहां दे रहे हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है. जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.....

सर्वप्रथम इष्ट देवता की स्तुति

काव्यारंभ में कवयित्री मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा ने अपने इष्ट देवताओं की स्तुति की है. इसमें तरिगोंड शेषकुधपाक्ष स्वामी प्रथम हैं. बाद में आदिलक्ष्मी श्री विघ्नेश्वर, ब्रह्मा ,शिवादि अक्षर शारदा ,सरस्वती अक्षर मातृकाएँ,कुल देवी चौडमांबा,हयग्रीव अनंत गरुड विश्वक्सेन गोविंद राजु श्री राम,श्रीकृष्ण ,वराह मूर्ति,वें कटाचलपति,तरिगों ड,नरसिंह नवग्रहादि की वंदना की है. इन देवताओं का वर्णन अत्यभ्दुत है.

पूर्व कवियों की वंदना

प्राचीन तेलुगु कवियों की तरह वेंगमांबा ने भी काव्यारंभ में अपने पूर्व कवियों की विनम्र वंदना की है. आदि कवि वाल्मीकी को व्यास भगवान को कालिदास कवि को श्रीवेंकटेश्वर से वर प्राप्त करनेवाले नन्नया को तिक्कना को पोतराजु को इनसे अलग सुकवियों को पंडितों को और पौराणिकों को भक्ति से नमस्कार कर रही हूं. श्रीनिवास के चरणों में समर्पण करके मूक्ति की कांक्षा रखनेवाली मैं वें कटाचल माहात्म्य के वैभव को छंदोबध्द पद्यों में रच रही हूँ.काव्य लेखन के पहले कवयित्री ने पंडितों और जनता से विनम्र विनती की है.हे पंडितगण, हे जन अब मेरी बाल भाषा का विरोध न करते हुए सुनिए. जैसे माता-पिताओं को अपने बच्चों की बातें बुरी नहीं लगती हैं वैसे ही आप मेरी भाषा की अशुध्दियों को पकड़ कर मेरी निंदा न करके काव्य को स्वीकार कीजिए और भी आपको संदेह होगा कि तेलुगु में इतनी महाकृतियों के होते मेरी इस बाल कृति को क्यों पढ़ना है, ऐसा मत सोचिए. जैसे मिठाई और पकवान खाने के बाद नमकीन खाया जाता है वैसे ही उन महाकृतियों को पढ़ने के बाद मेरी इस बाल कृति को अवश्य पढ़ेंगे.कथा पढ़ने के लिए डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com

शेष अगले अंक में

सुजोक एक्युप्रेशर से करते हैं दर्द का इलाज

थेरेपिस्ट महेश जाधव पर सैकड़ों मरीजों का है भरोसा,मरीज संतोष को मानते बड़ी कमाई

अमरावती- भारतीय संस्कृति महान है, इसमें आज भी हमारे आयुर्वेदिक तरीके गंभीर से गंभीर बीमार पर बेहतरीन उपचार करने की क्षमता रखते हैं. इसी कड़ी हमारे शरीर की हड्डियों संबंधी परेशानी का बेहतरीन इलाज सुजोक एक्युप्रेशर प्रणाली में है. इसका अनुभव अभी तक सैकड़ों मरीजों ने लिया है और उन्हें दर्द से राहत मिली है. इस बारे में स्वयं कई मरीज अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं. लखनऊ से इस क्षेत्र में शिक्षा लेने वाले महेश जाधव का कहना है कि यह सस्ती और तत्काल राहत देने वाली चिकित्सा प्रणाली है. इससे आराम तो तत्काल मिलता ही है लेकिन शरीर को किसी तरह का साइड इफेक्ट होने का सवाल ही पैदा नहीं होता है.

अमरावती शहर ही नहीं तो आसपास के कई गाँवों के मरीज भी उनके बारे में सुनने के बाद उपचार के लिए आते हैं. गरीबों से विशेष लगाव रखने वाले महेश जाधव का कहना है कि मरीजों का संतोष ही वे अपनी सबसे बड़ी कमाई मानते हैं. खुद के निवास के साथ ही बुजुर्ग तथा अन्य हड्डियों में दर्द संबंधी मरीजों के घर पर जाकर भी इस प्रणाली का लाभ देते हैं. उनके उपचार से अमरावती में हजारों मरीजों को अभी तक लाभ मिला है.

यही कारण है कि एक बार वे जिस मरीज पर उपचार करते हैं, वह अन्यों को भी प्रेरित करता है. उनका कहना है कि बिना किसी तरह पेनकिलर लिए कई मरीजों को लाभ हुआ है, इतना ही नहीं तो कई मरीजों को ऑपरेशन से भी राहत इस उपचार प्रणाली के कारण हुई है. वे कहते हैं कि भारतीय आयुर्वेद तथा चिकित्सा प्रणाली आज भी इतनी ताकतवर है कि सही तरीके से अगर उसका उपयोग किया जाए तो बिना किसी प्रकार की साइड इफेक्ट के मरीज को तत्काल राहत मिलती है. वे बताते हैं कि सुबह 10 बजे से लेकर शाम तक कई मरीजों की सेवा का अल्प खर्च में सौभाग्य उन्हें मिला है.

सुजोक एक्युप्रेशर के क्षेत्र में पिछले चार साल से मरीजों को राहत देने का सौभाग्य जहां उन्हें प्राप्त है, वहीं इससे पहले शहर के कई मरीजों को नेचरोपैथी के माध्यम से पैरालायसिस जैसी परेशानी से राहत दिलाने में सफलता प्राप्त की है. इन मरीजों में बेड से नहीं उठने वाली स्थिति थी. लेकिन समुचित उपचार और मरीजों द्वारा किए गए सहयोग के चलते ही उन्हें राहत मिलने की बात महेश जाधव ने कही.इस उपचार प्रणाली से माइग्रेन, घुटनों का दर्द, कमर दर्द, कमर में गैप, नस दबने से होने वाली तकलीफ, फ्रोजन शोल्डर सहित कई संबंधित बीमारियों का सफल इलाज इसके माध्यम से किया जा सकता है, इसके बेहतरीन नतीजे भी मिलते हैं. संबंधित मरीजों से इस बिना साइड इफेक्ट वाली इस उपचार प्रणाली का लाभ लेने का आग्रह किया. कई पीड़ित मरीजों को इस उपचार प्रणाली ने बड़ी राहत दी.

अमरावती महानगरपालिका अमरावती
(बांधकाम विभाग- शहर अभियंता) - अल्पमुदत

- निविदा सुचना -

अमनपा/बां.वि/श.अ./नि.सु.क्र./55/24 दि. 03/01/2025

अमरावती महानगरपालिका शहर अभियंता, बांधकाम विभाग मधील विकास शुल्क निधी अंतर्गत करावयाच्या कामाचा निविदा प्रसिध्दीचा जा.क्र. 55 / 24 दि. 03/01/2024 नुसार मनपाच्या बांधकाम विभागातील नोटीस बोर्ड वर सविस्तर निविदा सूचना प्रसिध्द करण्यात आलेली आहे.

अल्पमुदत मॅन्युअल-निविदा प्रसिद्धी	दि 03/01/2025
कोऱ्या निविदा किरीता अर्ज करण्याचा दिनांक	दि 01/01/2025
निविदा दाखल करण्याची अंतिम दिनांक	दि 16/01/2025 दु. 4.00 वाजेपर्यंत
मॅन्युअल-निविदा उघडण्याची दिनांक (Technical)	दि. 16/01/2025 दु.4.00 वा. (शक्य झाल्यास)

खालील प्रमाणे अल्पमुदत मॅन्युअल-निविदा सुचना कार्यक्रम दिलेला आहे.

शहर अभियंता
महानगरपालिका, अमरावती

क्र. अमनपा 1198/जसंवि/जाहि/2025

मानवता के धर्म को जीवन में अपनाना हमारा कर्तव्य

प्राचार्य सुधीर महाजन के जन्मदिन विशेषांक के विमोचन मौके पर सुदर्शन गांग का प्रतिपादन,दिन भर में लाखों ने दी शुभकामनाएं

विदर्भ स्वाभिमान, 9 जनवरी

अमरावती - माता-पिता की सेवा और आदर्श संस्कार ही हमारी नींव होते हैं. बचपन में पढ़ाई के साथ हमारे संस्कारों पर ध्यान दिया जाना चाहिए. मानव के लिए मानवता का धर्म सबसे बड़ा धर्म होता है. जहां यह होता है, वहां सदैव अच्छी बातें, अच्छी सोच और सकारात्मक कार्य होता है. इस आशय का प्रतिपादन भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय ट्रस्टी, अभिनंदन बैंक के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग ने किया. वे राष्ट्रीय स्तर पर सुख्यात और महात्मा गांधी द्वारा स्थापित शिक्षा संस्था द्वारा संचालित पोदार इंटरनेशनल स्कूल कठोरा नाका के प्राचार्य तथा राष्ट्रीय स्तर के वक्ता सुधीर महाजन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान द्वारा प्रकाशित विशेषांक का विमोचन करते हुए बोल रहे थे.

प्राचार्य सुधीर महाजन की अध्यक्षता में विद्यालय में 4 जनवरी को हुए कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में आनंद परिवार के प्रमुख सुदर्शन गांग, प्रदीप जैन, विदर्भ स्वाभिमान के मुख्य संपादक सुभाष दुबे, डिजाइनर संजय भोपाळे, शिक्षाशास्त्री प्राचार्य संजय शिरभाते, प्रा.डॉ. अजय बोंडे, राजपुरोहित

डिजिटल स्टूडियो के संचालक पुखराज राजपुरोहित सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे. सर्वप्रथम मां सरस्वती पूजन से कार्यक्रम की शुरूवात हुई. पश्चात विद्यालय प्रशासन द्वारा अतिथियों का शाल-श्रीफल तथा संस्था का मोमेंटो द्वारा सत्कार किया गया. विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा आनंद परिवार द्वारा प्राचार्य सुधीर महाजन का सत्कार किया गया.

मौके पर कई उदाहरणों को देते हुए सुदर्शन गांग ने जहां मौलिक मार्गदर्शन छात्रों को किया, वहीं दूसरी ओर मानवता के धर्म को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ ही आदर्श इन्सान बनने तथा राष्ट्र की सेवा,माता-पिता का सम्मान तथा सभी को सहयोग देने की भावना रखने की सीख दी. दो घंटे तक चला यह कार्यक्रम सभी के लिए यादगार रहा. प्रस्तावना में संपादक सुभाष दुबे ने प्राचार्य सुधीर महाजन के व्यक्तित्व और उनके बहुगुणी व्यक्तित्व की जानकारी देते हुए छात्रों से जीवन में माता-पिता की सेवा और उनका आशिर्वाद प्राप्त करने, उनकी सेवा करते हुए जीवन में शानदार सफलता प्राप्त करने की सीख दी.

खेल को बनाएं हिस्सा-डॉ.बोंडे

समारोह में उपस्थित और दो दिन पहले ही जिनका जन्मदिन था, ऐसे डॉ. अजय बोंडे का मौके पर सत्कार किया गया. जीवन में खेल को महत्व को अपने भाषण में इंगित करते हुए प्रा.डॉ. अजय बोंडे ने अपने मार्गदर्शन से छात्रों को प्रभावित किया. खेल से मन, तन और जीवन बदलने की बात उन्होंने कही. छात्रों को जीवन में सदैव आदर्श नागरिक बनने की सीख दी. उनके मुताबिक खेल से ही नेतृत्वगुण क्षमता और सभी तरह की खूबियां पैदा होती हैं.

समर्पण है सफलता की गारंटी- सुधीर महाजन

राष्ट्रीय स्तर के प्रेरणादायी वक्ता तथा सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले प्राचार्य सुधीर महाजन के मुताबिक जीवन में जो भी जिम्मेदारी हमें परमात्मा अथवा प्रकृति सौंपती है, उसका हम अगर समर्पण भाव से निर्वहन करते हैं तो वह भी किसी पूजा से कम नहीं होती है. 23 साल की उम्र में प्राचार्य बनने वाले और सबसे कम उम्र के प्राचार्य सहित 36 से अधिक पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्राचार्य सुधीर महाजन ने सर्वप्रथम विदर्भ स्वाभिमान द्वारा की गई पहल और इस कार्यक्रम में सुदर्शन गांग तथा अन्य मान्यवरों की उपस्थिति पर प्रसन्नता जताते हुए इसे अपने जीवन का यादगार पल बताया.

बच्चों को माता-पिता की सेवा, समाज तथा राष्ट्र की सेवा के लिए आदर्श नागरिक बनने की सलाह दी. छात्र हित में अलग-अलग कल्पनाओं को पूरा करने वाले तथा छात्रों के विकास को अपना मूल उद्देश्य मानते हुए उन्होंने कहा कि अच्छा इन्सान बनने के बाद व्यक्ति स्वयं ही अपने कार्यों से छाप छोड़ता है. उन्होंने धाराप्रवाह मार्गदर्शन में कहा कि वे गौरवान्वित महसूस करते हैं पोदार इंटरनेशनल स्कूल को अभिभावकों से मिले प्रेम और विश्वास के लिए.

उनके मुताबिक हमें जो जिम्मेदारी मिली है, उसका निर्वहन यदि हर व्यक्ति ईमानदारी और समर्पण भाव से करे तो यह किसी पूजा से कम नहीं होती है. इस मौके पर अपने मार्गदर्शन के दौरान उन्हों ने विभिन्न शायरियों के माध्यमों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम में उपस्थित सभी मान्यवरों ने भी सुदर्शन गांग, प्राचार्य सुधीर महाजन,प्रा.डॉ. अजय बों डे के मार्गदर्शन की सराहना की. निर्धारित समय से विलंब से कार्यक्रम शुरू होने के बाद भी अपार उत्साह कार्यक्रम को लेकर था. विशेषांक की भी सभी मान्यवरों ने सराहना करते हुए इसे सर को दी गई अनूठी भेंट बताया. डिजाइनर संजय भोपाळे की सराहना करते हुए उनका सत्कार किया गया.

स्वास्थ्य विभाग के रिक्त पद बन न जाए जनता की जान का खतरा

सीएचओ संगठन लगातार है प्रयासरत, हजारों पद रिक्त, भर्ती में लापरवाही

विदर्भ स्वाभिमान,8 जनवरी

अमरावती- स्वास्थ्य विभाग में हजारों पद रिक्त हैं, इससे कई गुना अधिक लायक उम्मीदवार होने के बाद भी प्यास लगने पर कुआं खोदने वाली सरकार तथा विभाग की भूमिका लाखों लोगों के जिंदगी के लिए खतरना बन सकता है. सीएचओ असोसिएशन के डॉ. अंकुश मानकर तथा साथियों द्वारा लगातार प्रयास करने के बाद भी अभी तक विभाग में रिक्त सीएचओ, स्वास्थ्य सेवकों के पदों को नहीं भरने के कारण कोरोना के बाद से आने वाली नई बीमारियां लोगों को डरा रही हैं. इस मामले में सरकार से तत्काल समुचित कदम उठाने और रिक्त स्वास्थ्य विभाग के पदों पर तत्काल नियुक्ती करने की मांग की जा रही है. इस बीच नई बीमारी से डरने नहीं बल्कि सतर्कता बरतने का आग्रह मनपा स्वास्थ्य विभाग ने किया है.

स्वास्थ्य विभाग अत्याधिक महत्वपूर्ण विभाग है. इस विभाग पर हजारों लाखों लोगों की जिंदगी निर्भर करती है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इस विभाग की लापरवाही का आलम यह है कि राज्य में इस विभाग में हजारों पद रिक्त हैं, लायक लोग रहने के बाद भी भर्ती नहीं की जा रही है. स्वास्थ्य सेवकों की भर्ती भी प्रलंबित है. ऐसे में नई-नई बीमारियों से यह विभाग कैसे निपटेगा, यह सबसे बड़ी समस्या है.

विश्व में पहली बार कोरोना महामारी ने जिस तरह का खौफ पैदा किया था, वैसा खौफ कभी नहीं रहा. कोरोना महामारी से जितने लोग नहीं मरे होंगे, उसे अधिक लोगों की मौत इस बीमारी के नाम से हुई थी. इस भस्मासुर ने 2019-20 में पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लिया, लाखों लोगों की जान ले ली और अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया, जो दो महत्वपूर्ण विभाग जी जान से लड़े, वे थे स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन के साथ ही चौथे स्तंभ के नाम से प्रसिद्ध मीडिया रही. लेकिन दोनों को तो सरकार ने लाभ दिया लेकिन मीडिया में कई बड़े मीडिया समूहों ने घाटे का वास्ता देते हुए अपने यहां वर्षों से सेवारत संपादकों, समाचार संवाददाताओं को नौकरी से निकाल दिया था. स्वास्थ्य विभाग में भर्ती का मामला आज भी लटका है. अब नई बीमारी को लेकर फिर से वही सवाल पैदा हो रहा है. स्वास्थ्य सेवकों की भर्ती का मामला अदालत में रहने तथा भर्ती नहीं होने के कारण गरीब मरीजों को परेशानी हो रही है, मामला कब सुलझेगा, इस ओर सभी की निगाहें लगी हैं.स्वास्थ्य विभाग में जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवकों की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिन्होंने नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी, यह पूरा देश जानता है. लेकिन जिला परिषद में आरोग्य सेवक के 50 फीसदी पद के लिए भर्ती प्रक्रिया 2019 से रुकी हुई है. काफी व्यवधान के बाद, भर्ती प्रक्रिया 2024 में पूरी हुई, परिणाम सामने आए और 2600 स्वास्थ्य सेवकों की नियुक्ति की का फैसला लिया गया.मामला अदालत में गया और अदालत के आदेश पर भर्ती प्रक्रिया रुक गयी. कुछ छात्रों द्वारा चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी की शिकायत के साथ चुनौती दी गई थी, इस पर अदालत ने प्रक्रिया रोक दिया. इससे भर्ती प्रक्रिया रुकने से 2600 चयनित उम्मीदवारों का सपना जहां टूटने की कगार पर पहुंच गया, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य सेवकों के अभाव में स्वास्थ्य सेवाएं

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान 75 आजादी का अमृत महोत्सव आधार-विचार वाला अखबार

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.
मो. 9423426199, 8855019189

सामाजिक एकता से ही मिलती है मजबूती- अनिल अग्रवाल

राजस्थानी हितकारक मंडल ने प्रतिभाओं का सम्मान किया

विदर्भ स्वाभिमान, 8 जनवरी

धामणगांव रेल्वे- स्थानीय राजस्थानी हितकारक मंडल एवं राजस्थानी हितकारक महिला मंडल का 4 जनवरी को माहेश्वरी भवन में शाम को अवार्ड देने का कार्यक्रम संपन्न हुआ. इस कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि के रूप में राजस्थानी हितकारक मंडन के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल अशोक मूं दडा, लक्ष्मीनारायणी चांडक, राजेश पुरोहित, राधाभूत, उर्मिला कलंत्री, जयश्री राठी, रंजना चौबे मंच पर उपस्थित थे. अनिल अग्रवाल ने अपने भाषण में कहां की यह बहोत पुराना मंडल है. सभी समान राजस्थानी समाज को एकत्रित करने का कार्य यह समाज करता है. संगठन का कार्य जो करता है उसका सम्मान

करता है. राजस्थानी समाज को एक मंच पर लाना यह कार्य यह संगठन करता है. इस कार्यक्रम जिल्ला स्तरीय, राष्ट्रीय स्तरीय जिनको अवार्ड मिले है उन सभी का मोमेन्टों और प्रमाणपत्र देकर उनका स्वागत किया गया. राजस्थानी हितकारक संघ के अध्यक्ष अशोक मुंधडा ने अपने भाषण में कहा कि राजस्थानी समाज को एक मंच पर आाना समय की पुकार है, जो इंसान संगठन से जुडा रहता है उसकी का नाम समाज में हमेशा रहता है. संगठन की एकता को समाज को नई दिशाएं देती है आज सभी समाज एकत्रित हुए है. राजस्थानी समाज को भी एक होनाजरूरी है. राजस्थानी समाज दान धर्म में आगे साता है. आज अगर हम एक नहीं हुए तो भविष्य में आनेवाली पीढी को उसका अंजाम भुगतना पड़ेगा. इस कार्यक्रम में कत्थक नृत्य का कार्यक्रम आयोजित किया गया था. इस कार्यक्रम के पश्चात भोजन का स्वाद सभी ने लिया. इस कार्यक्रम में जयश्री राठी सीमा मुंद्रा मुंद्रा मुंद्रा मुंधडा, प्रेमा ,तोषिका राठी, अलका लोया, सुषमा गांधी,मधु जांगडा, नितू पालिवाल, कौमल मधुरा मुंधडा , भावना गोरिया, आरती खंडेलवाल, तिलोत्तमा मंचडा, सरेश लोया, ओमप्रकाश इंदाणी, दिलीप भंडारी, राजेश गंगन, डॉ. पवन शर्मा, मुकेश राठी, संजय जांगडा, हितेश गौरिया, लक्ष्मीकांत वर्मा, गोपाल भूत, आनंद बनयेरू, सुजीत मुंधडा, दिपक राठी, पवन पनपालिया, प्रवीण पनपालिया, कमल चांडक मनीष मुंधाद्रा लाल मुंद्राऔर राजस्थानी समाजबंधू उपस्थित थे.

बडनेरा- समाजसेवी, आदर्श शिक्षक प्रा.डॉ.अजय बोंडे और सौ. बोंडे का अभिनंदन बैंक के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष समाजसेवी सुदर्शन गांगजी के निवास पर सत्कार किया गया. मौके पर बहू सौ. गांग तथा परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे. बोंडे दम्पति ने उनका आशिर्वाद लिया.

ब्लॉक किराए से देना है

अकोली रोड स्थित छाया कॉलोनी में सभी सुविधायुक्त हॉल तथा किचन युक्त ब्लॉक किराए से देना है. इच्छुक निम्न मोबाइल पर संपर्क करें. छात्राओं को प्राथमिकता.

मोबाइल नंबर

9423426199,

8855019189

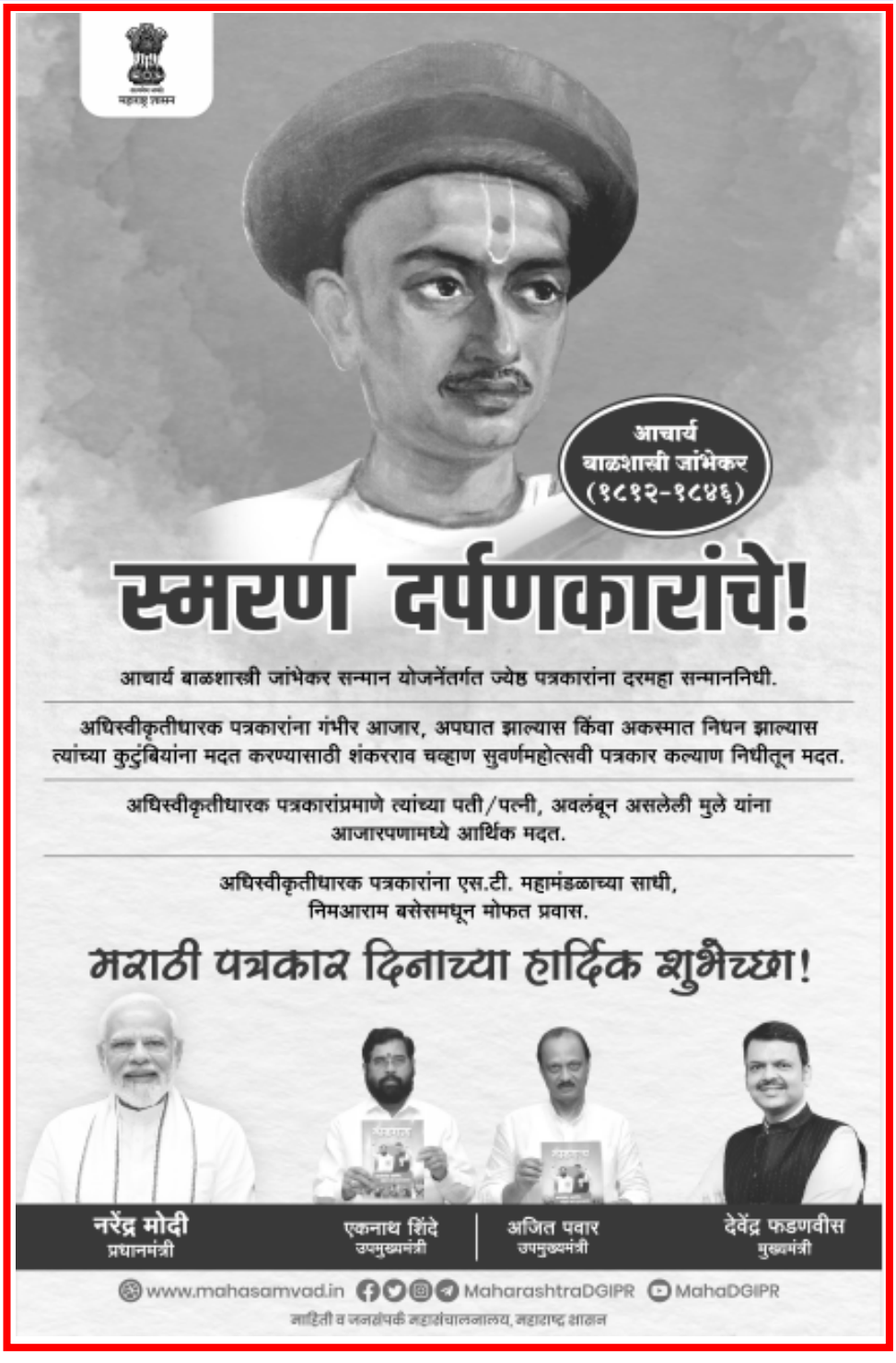

शिवमहापुराण कथा को अभूतपूर्व व सफल बनाएं

भोलेभक्त महेन्द्र बोपुलकर का आग्रह, नए साल की शुभकामनाएं दी

विदर्भ स्वाभिमान, 8 जनवरी

अमरावती- वल्लभनगर तथा आसपास के क्षेत्र में फरवरी महीने में होने वाली शिव महापुराण कथा को अभूतपूर्व और सफल बनाने का आग्रह समाजसेवी तथा भोलेनाथ भक्त महेन्द्र बोपुलकर ने की है. उनके मुताबिक नर्मदेश्वर महादेव मंदिर को भक्तों का अपार सहयोग तथा प्रेम मिला है. समर्पित ट्रस्टी नित-नया करने का प्रयास करते हैं. अल्प समय में ही यह मंदिर भक्तों को प्रभावित करने में सफल हुआ है. कथा का लाभ देने के साथ ही इसे सफल बनाने का आग्रह किया.

मां तुलजाई कंस्ट्रक्शन के संचालक महेन्द्र बोपुलकर भोलेनाथ के अनन्य भक्त हैं. मंदिर के विकास के साथ ही अन्य आयोजनों में सहयोग देते हैं. अल्प समय में ही हजारों भाविक भक्तों का विश्वास जीतने में सफल और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के लिए पहचाने जाने वाले नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में 20 से 26 फरवरी तक तुषारकृष्णा महाराज द्वारा शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया है. क्षेत्र में पहली बार आयोजित हो रहे शिव महापुराण कथा को सफल बनाने के लिए मंदिर संस्थान के पदाधिकारियों के साथ ही क्षेत्रवासी महिलाओं, परूषों के साथ ही भोलेभक्तों में अपार उत्साह है, इससे यह कथा सफलता का भरोसा जताया जा रहा है.

वल्लभनगर स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में नववर्ष में भोलेनाथ भक्तों को शानदार सौगात देने का फैसला भोलेभक्तों ने लिया है. इस कड़ी में 20 फरवरी से मंदिर प्रांगण में श्री शिव महापुराण कथा शुरू होगी. लोगों के सहयोग के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं एकजुट होकर आसपास के नगर तथा कॉलोनियों में पहुंचकर सहयोग मांग रही है. लोगों का भी सहयोग भी बड़े पैमाने पर मिलने की जानकारी उन्होंने दी.आगामी 20 से 26 फरवरी तक ग्रुप ऑफ हरिबोल द्वारा नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित इस कथा की तैयारियां क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही है. इसको लेकर क्षेत्रवासियों में अपार उत्साह है. शिव महापुराण कथा को सफल करने के लिए मंदिर के अध्यक्ष दिलीप मकवाने,उपाध्यक्ष महेन्द्र बोपुलकर, नंदकिशोर पेटकर,प्रमोद राऊत, प्रदीप कलसकर,, गजानन कुसंबे, गजानन उगले, अनिल चांदेकर, भानुदास वाघमारे, संदीप ठाकरे, अतुल राऊत के साथ ही क्षेत्रवासी सभी का सहयोग मिल रहा है. भक्तों से लाभ लेने तथा इस कथा को सफल बनाने का आग्रह सभी भक्तों के साथ ही क्षेत्रवासियों ने भी किया है. इसकी तैयारियों में क्षेत्र की सभी महिलाएं भी लग गई हैं. इससे कथा अपार सफल रहने का विश्वास भी महेन्द्र बोपुलकर ने जताया. सभी भक्तों में अपार उत्साह है.

गुरू गोविंदसिंह जयंती पर हुए कई कार्यक्रम

हजारों ने लिया लंगर का लाभ

अमरावती- शहर के साथ ही जिले में सोमवार को गुरु गोबिंद सिंह जयंती मनाई गई. इस उपलक्ष्य में स्थानीय राजापेठ स्थित गरूद्वारा गुरूसिंघ सभा में विभिन्न धार्मिक और सामाजिक उपक्रमों का आयोजन किया गया. इसमें भारी संख्या में समाजबंधुओं ने भाग लिया. रविवार को हुए लंगर में दो हजार से अधिक भक्तों ने भाग लिया. सोमवार को सुबह से लेकर रात 10 बजे तक विभिन्न कार्यक्रम जारी रहने की जानकारी प्रल्हादसिंह साहनी ने दी. साथ ही इस कार्य में सभी समाजबंधुओं का सहयोग मिलने की जानकारी दी.

गुरु गोबिंद सिंह की जयंती सिख समुदाय के लोगों के बीच एक महत्वपूर्ण दिन माना जाता है. गुरुजी का जन्म नौवें गुरु तेग बहादुर जी और माता गजरी के घर 22 दिसम्बर 1666 को पटना, बिहार में हुआ था. बता दें कि गुरु गोबिंद सिंह जयंती की गणना चंद्र कैलेंडर के अनुसार की जाती है. इस साल उनकी 356वीं जयंती सोमवार को मनाई गई.प्रकाश पूरब के उपलक्ष्य में 2 जनवरी से ही विभिन्न कार्यक्रम लिया जा रहा है. पहले दि आसा दी वारजी का पूरा कीर्तन, समाप्ती तथा सुबह प्रसाद रूपी गरू का नाश्ता हुआ. शुक्रवार 3 जनवरी को श्री सुखमनी साहेबजी का पाठ, कीर्तन, समाप्ती, अरदास व प्रसादरूपी गरू का नाश्ता किया गया है. रविवार को सुबह 8.30 बजे श्री सुखमणी साहेबजी का पाठ, पश्चात भाई मुकेशिसिंघजी हजूरी जत्था का कीर्तन, साध संगत द्वारा कीर्तन दरबार, अरदास प श्चात गरू का लंगर हुआ. रात में मुकेशसिंघजी का कीर्तन, रात 8.30 बजे से 10 बजे तक कीर्तन भाई मोहर सिंघजी लुधियाना वाले, अरदास पश्चात गरू का लंगर हुआ, इसका दो हजार से अधिक भाविकों ने लाभ लिया. सोमवार को सुबह सुखमनी साहेबजी का पाठ, श्री अखंड पाठ कसाह ब की समाप्ती, कीर्तन मुकेशसिंघजी, मोहर सिंघजी के बाद सुबह 11.30 बजे से 1.30 गरू का लंगर होता है. रात में कीर्तन के बाद गरू का लंगर लिया गया. इसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने लाभ लिया.

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,जवाहर रोड के भीतर,अमरावती

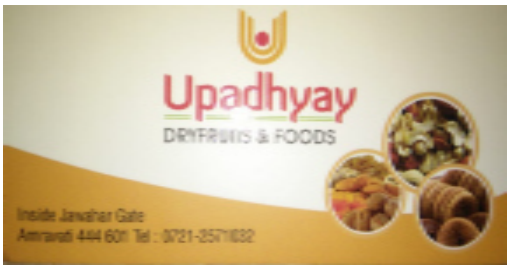

ज़वाहर रोड के भीतर,अमरावती.

गुरूवार 9 से 14 जनवरी 2025

मेष

मेष राशि के लोग आम तौर पर बहुत चतर स्वभाव के होते हैं. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं. किसी बात को तब तक नहीं स्वीकार करते हैं, जब तक इनका खुद का नुकसान नहीं हो रहा हो. नया साल भाग्यदायी साबित हो सकता है.

वृषभ

यह सप्ताह भागदौड़ से भरा रहेगा. आपका मन अशांत रहेगा. स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है. परिवार में किसी अपने का दुखद समाचार प्राप्त होगा. पत्नी से मतभेद हो सकते हैं.

मिथुन

थोड़ी सी मेहनत भी आपको कामयाबी दिला सकती है. रिश्तों में विवाद टाले. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क

दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ

सप्ताह बेहतरीन रहने वाला है. मेहनत और समझदारी जरूरी है. स्वास्थ्य के मामले में ध्यान देना जरूरी है. इस सप्ताह प्रभु की कृपा से बड़ा काम हो सकता है. किसी से नाहक विवाद करने से बचें. अपने काम पर ध्यान देकर बेहतरीन करने का प्रयास करें.

बैकुंठ एकादशी पर 10 को उमड़ेगा भक्त सैलाब

हर साल लाख से अधिक भक्त गुजरते हैं बैकुंठ द्वार से

साल में एक ही बार खुलता है, मोक्ष का माना जाता है प्रतीक

विभिन्न संगठनों द्वारा भक्तों को दी जाती है साबूदाना खिचड़ी सेवा

विदर्भ स्वाभिमान, 8 जनवरी

अमरावती- अमरावती ही नहीं तो लाखों भक्तों के आस्थास्थल के रूप में स्थानीय जयस्तंभ चौक स्थित व्यंकटेश धाम में शुक्रवार 10 जनवरी को बैकुंठ एकादशी पर लाखों भक्तों के उमड़ने की संभावना के मद्देनजर श्री बालाजी मंदिर ट्रस्ट द्वारा जहां सभी तरह की तैयारियां की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर लाखों भक्तों की सेवा के लिए गोविंदा के भक्त संस्थाओं द्वारा भी तैयारी शुरू की गई है. हर साल सुबह यहां निकलने वाली शोभायात्रा में जहां हजारों की संख्या में भक्त जमा होते हैं, वहीं दूसरी ओर सुबह 5 बजे से ही अभिषेक तथा अन्य विभिन्न सेवाओं की तैयारियां की जा रही हैं. ऐसे में यहां पर भक्तों का सैलाब उमड़ने वाला है. इसको ध्यान में रखते हुए सभी तैयारी की जा रही है. भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है. भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह मंदिर ट्रस्ट द्वारा किया गया है.

बैकुंठ एकादशी का महत्व

वैकुंठ एकादशी सभी एकादशी में सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है. इस दिन पर भक्त भगवान विष्णु की पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं. कहते हैं कि जो लोग इस पवित्र दिन पर कठिन उपवास रखते हैं और सभी पूजन नियमों का पालन करते हैं, भगवान विष्णु उनके लिए वैकुंठ के द्वार खोलते हैं. साथ ही उनके सभी पाप समाप्त हो जाते हैं. यही कारण है कि इस दिन बालाजी के मंदिरों में भारी भीड़ रहती है. शहर के साथ ही मोर्शी के काटपुर स्थिति बालाजी मंदिर और खल्लार बालाजी के बालाजी मंदिर में भी बड़ी संख्या में भक्त उमड़ते हैं.

पंचांग के अनुसार, इस साल वैकुंठ एकादशी आज यानी 10 जनवरी, 2025 को मनाई जा रही है, तो आइए इस दिन से जुड़ी प्रमख बातों को जानते हैं, जो इस प्रकार हैं.उपवास - वैकुंठ एकादशी का व्रत पर सात्विकता का पालन जरूर करना चाहिए. साथ ही कुछ भी ऐसा नहीं खाना चाहिए, जिसमें तामसिक चीजों का उपयोग किया गया हो. इसके अलावा यह व्रत द्वादशी तिथि पर ही व्रत तोड़ना चाहिए.

पूजा-पाठ - व्रती को इस दिन सुबह उठकर पवित्र स्नान करके विधिवत पूजा करनी चाहिए. साथ व्रत कथा का पाठ भी जरूर करना चाहिए.वैकुंठ एकादशी के दिन भगवान विष्णु के वैदिक मंत्रों के जाप का बहुत महत्व है. ऐसे में इस दिन श्री हरि के नामों का जाप जरूर करें.भक्तों को इस पवित्र दिन पर भगवान विष्णु के मंदिर जाना चाहिए और पूजा-अर्चना के साथ गरीबों को भोजन, गर्म कपड़े और धन का दान करना चाहिए. इससे सुख-शांति की प्राप्ति होती है.हिंदू पंचांग के अनुसार, इस दिन शिववास योग 10 बजकर 19 मिनट से शुरू होगा और पूरे दिन रहेगा. इसके साथ ही शुभ योग प्रातः से दोपहर 02 बजकर 37 मिनट तक रहेगा. गोधूलि महूर्त शाम 05 बजकर 40 मिनट से 06 बजकर 07 मिनट तक रहेगा. वहीं, अभिजीत महूर्त दोपहर 12 बजकर 08 मिनट से दोपहर 12 बजकर 48 मिनट तक रहेगा.भक्तों से लाभ लेने का आग्रह जगदीशप्रसाद अग्रवाल, चंपालाल हेडा, एड.आर.बी. अटल, राजेश हेडा, गोविंद दायमा, रमण दायमा, देवदत्त शर्मा, एड. विजय लढढा, नारायणप्रसाद अग्रवाल, जगदीशराज छाबड़ा, डॉ. गोविंद लाहोटी, रमण दायमा के साथ ही भक्तों में सुदर्शन गांग, प्रदीप जैन, अरूण कडू, पुखराज राजपुरोहित, राजेश बनारसे, सुभाष दुबे, भावना बनारसे, वीणा दुबे ने किया है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटसचे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

घर का सपना आपका, पूरा करने में योगदान करते हैं हम

थोक की दर में निर्माण साहित्य का विश्वसनीय स्थान